श्री बै० ना० कुरील : दूसरी तरफ जो ईसाई धर्म को मानने वाले हैं, जो गुरु हैं वे उनसे प्यार से बात करते हैं, उनको शिक्षित बनाने में मदद करते हैं, उनको हैवान से इंसान बनाने में मदद करते हैं। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि किस तरह के गुरुओं को श्रेय इस बात का प्राप्त है कि इतनी ज्यादा तादाद में धर्म परिवर्तन होता है ?

SHRI Y. B. CHAVAN : As for those people who consider untouchability as sacred, we have expressed our view in the matter. We have protested against it and disapproved all such things.

SHORT NOTICE QUESTION

भारत के स्वर्गीय राष्ट्रपति डा० जाकिर हुसैन की मृत्यु के समाचार के प्रसारण में आकाशवाणी द्वारा विलम्ब

+

SNQ. 23. **श्री रामावतार शास्त्री** :
श्री भोगेन्द्र झा:
श्री पी० विश्वम्भरन :
श्री एस० एम० कृष्ण :
श्री हेम बरुआ :

क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत के स्वर्गीय राष्ट्रपति डा० जाकिर हुसैन की मृत्यु 3 मई, 1969 को 11 बज कर 20 मिनट (म०पू०) पर हुई थी ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि आकाशवाणी के दिल्ली केन्द्र ने उनकी मृत्यु का समाचार दो घन्टे बाद 1 बज कर 20 मिनट (म०प०) पर प्रसारित किया था;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे ;

(घ) क्या सरकार ने इस विलम्ब के लिए उत्तरदायी अधिकारियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही की है ;

(ङ) यदि हां, तो क्या कार्यवाही की गई है ; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING, AND COMMUNICATIONS (SHRI SATYA NARAYAN SINHA) : (a) No, Sir. It would not be correct to say that the late President, Dr. Zakir Hussain, died at 11.20 A.M. Doctors' efforts at resuscitation continued till about 11.50 A.M. and so long as these efforts continued, death could not be taken for granted.

(b) The news was broadcast by All India Radio at 1.20 P.M.

(c) There was no delay on the part of All India Radio. The news was broadcast immediately after it had been officially announced by Rashtrapati Bhavan sources.

(d) to (f). Do not arise.

श्री रामावतार शास्त्री : कल यह सवाल यहां और राज्य सभा में भी उठा था। लेकिन इस तरह का उत्तर नहीं दिया गया था। कल यह कहा गया था कि कुछ कायदे कानून हैं जिनके अनुसार चला जाता है। यह भी कहा गया था कि जब तक सरकारी तौर पर कोई घोषणा नहीं हो जाती है तब तक आकाशवाणी से कोई किसी तरह का एलान करना सम्भव नही है। लेकिन आज जो बात कही जा रही है इससे यह मालूम होता है कि राष्ट्रपति की मृत्यु जिसके बारे में दुनियां को और हिन्दुस्तान की जनता को मालूम हो गया था कि ग्यारह बज कर बीस मिनट पर हुई थी बाथ रूम में, उसका एनाउन्समेंट एक बजकर बीस मिनट पर किया गया। उनको वहां से लाकर डाक्टर लोग कोशिश कर रहे थे कि जिन्दा किया जाए लेकिन तब तक वह मर चुके थे। यह कहा जा रहा है कि ग्यारह बज कर बीस मिनट पर उनकी मृत्यु नहीं हुई लेकिन बाद में जाकर उनकी मृत्यु हुई। दो-दो तरह के बयान अखबारों में छपे हैं और इस सदन के अन्दर भी और दूसरे सदन के अन्दर भी आये हैं। इन सब के आधार पर मैं जानना चाहता हूं कि आकाशवाणी के अधिकारियों को राष्ट्रपति की दुखद मृत्यु की सूचना क्या सरकारी घोषणा

के पूर्व भी किसी ने दी थी, यदि दी थी तो किसने और कितने बजे ? मैं यह भी जानना चाहता हूं कि समाचार मिलने के बाद सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय ने किसी मंत्री के साथ इसके सम्बन्ध में कोई सलाह की थी और यदि की थी तो उन लोगों को क्या सलाह दी गई और कोई हिदायतें अधिकारियों को दी गई या नहीं दी गई ?

श्री सत्यनारायण सिंह : जो कुछ मैंने जवाब में कहा है उसमें और जो कल कहा गया था उसमें कोई फर्क नहीं है। असली बात यह है कि जब तक जो रूल बना हुआ है उसकी पूर्ति नहीं हो जाती तब तक एनाउंसमेंट नहीं हो सकता है। ए०आई०आर० के पास किसी हाई डिगनिटरी के देहान्त के बारे में जब तक आफ़िशल कम्युनिकेशन, आफिसल एनाउंसमेंट न आ जाए तब तक उसकी खबर नहीं दी जाती है। खानगी तौर किसी ने क्या कहा और क्या नहीं कहा, वह मुझे पता नहीं। लेकिन रूल साफ है। मैं रूल को पढ़ देता हूं :—

> "In the case of high State dignitaries, a special procedure for announcement of news has been laid down by Government. It clearly states that things can be broadcast only after official confirmation has been obtained from the Secretary/Joint Secretary, Ministry of Home Affairs. The official announcement, as stated above, came after 13.15 hrs. and within minutes the news was broodcast by A.I.R."

आपने यह भी देखा होगा कि राष्ट्रपति भवन पर जो झंडा लगा हुआ है वह भी एक बजकर बीस मिनट पर डाउन हुआ था, उसी वक्त जब ए०आई०आर० से एनाउंसमेंट हुआ—

SHRI P. RAMAMURTI : Why was the official announcement made so late ?

SHRI SURENDRANATH DWIVEDY : Why was it so much delayed ? Why did it take 2 hours to issue the official announcement ?

श्री सत्यनारायण सिंह : अटैक हुआ, उसके बाद डाक्टर आए। इतने बड़े आदमी की मृत्यु के बारे में इंडिपेंडेंटली हम कुछ स्टेटमेंट नहीं दे सकते हैं। आप नही दे सकते हैं। अन्नादुर्रं साहब के बारे में स्टेटमेंट हो गया था। और ए० आई० आर० से भी कुछ न्यूज एजन्सी की रिपोर्ट के आधार पर एनाउंसमेंट हो गया था। उसका नतीजा क्या हुआ, यह आपने देखा ही था। हाउस में क्रिटिसिज्म हुआ कि इतनी जल्दबाजी क्यों की गई। दो घन्टे की देर, आप जानते ही हैं कि इतने बड़े आदमी की मृत्यु की एनाउंसकेट के बारे में...

श्री रामावतार शास्त्री : पार्टी का सवाल न बनायें।

श्री सत्यनारायण सिंह : आप तो जानते ही हैं कि हमारे यहां इसमें विश्वास किया जाता है कि जब तक सांस तब तक आस। डाक्टर लोग जब तक सर्टीफाई नहीं करते है कि देहान्त हो गया है तब तक कुछ हम नहीं कह सकते हैं। यही असली बात है।

MR. SPEAKER : The point is simple. I happened to be there at about 12.10 or 12.15 P.M. They were waiting for the team of doctors. Everybody knew it. I was also standing by the side of the body of the late President. They were waiting for the team of doctors to come from the Institute. It is a long distance. They came and they examined him again. All of them had to sign before it could be announced. There was probably some procedure, I thought. This is to the extent that I know.

The hon. Member may put his second question.

श्री रामावतार शास्त्री : मैं इस बहस में नहीं जाना चाहता। बिल्कुल गलत बात कही जा रही है। आकाशवाणी के अधिकारियों के निकम्मेपन को छिपाया जा रहा है।

राष्ट्रपति जी की मृत्यु होने के ठीक पहले तक गाने और जितने दूसरे सामान्य प्रोग्राम थे, वे चल रहे थे। इन प्रोग्रामो के पहले ही राष्ट्रपति जी की मृत्यु हो चुकी थी। मैं जानना चाहता हूं कि इस तरह की बात क्यों की गई। पूरा देश उस वक्त शोक में था और आपके यहां से गाने प्रसारित हो रहे थे और

तमाम बातें चल रही थीं। मैं जानना चाहता हूँ कि इसके बारे में आप इनक्वारी करने को तैयार हैं ? जिन लोगों ने इस तरह की बात की क्या उनके खिलाफ कोई कार्यवाही करने के लिए आप तैयार है ?

श्री सत्यनारायण सिंह : ए०आई०आर० से जिस वक्त एनाउंसमेंट हो गया, एनाउंसमेंट के बाद अगर किसी तरह प्रोग्राम में गड़बड़ी हुई जैसा कि आप बताते हैं तो जरूर एक्शन लिया जा सकता है। लेकिन जब तक खबर नहीं हुई आफिशल एनाउंसमेंट नहीं हुई— (**इन्टरप्शंज**) जांच कौन करे कि मर गए हैं। यह तो डाक्टर ही कह सकते थे कि मर गए हैं। सर्टिफाई तो वही कर सकते थे न कि कोई और।

श्री रामावतार शास्त्री : सरकार को कंट्रेडिक्शन करना चाहिये था कि नहीं मरे।

SHRI P. VISWAMBHARAN : May I know from the hon. Minister exactly at what time the doctors certified Dr. Zakir Hussain to be dead, exactly at what time press release was issued and at what time the A.I.R. broadcast the news ? Was there any time-lag in between and if so, why ?

SHRI SATYA NARAIN SINHA : Within three minutes after the official announcement was handed over to us, the programme which was going on was interrupted and this news was announced.

SHRI P. VISWAMBHARAN : I want to know exactly at what time the doctors certified him to be dead.

SHRI SATYA NARAIN SINHA : We got it at about 1.17 P.M. and it was announced at 1.20 i.e.,P.M., within three minutes.

SHRI S. M. KRISHNA : We are rather unhappy that timing of the broadcast of the death of the President of India should have turned to be a controversial one (*Interruption*). We do not expect the All India Radio to speculate on the death of anybody in this country much less the President of India. The hon. Minister has quoted certain rules and procedure. They should apply to every dignitary. I recall, in the case of late Shri Annadurai, the All India Radio betrayed an ugly haste, an embarrassing haste ; they pronounced him dead three days before he actualty died. At that time it was the haste of All India Radio. I am not attributing that All India Radio was rather doing it deliberately or rather they were keen on Shri Annadurai's death. We would like that whenever a dignitary dies, All India Radio should broadcast that with alacrity and with a certain discretion also. In this case it was undue and unpardonable delay. In that case it was undue haste.

SHRI SATYA NARAYAN SINHA : It was not any undue delay so far as this event is concerned. With regard to the death of Shri Annadurai. I have steted that at that time the All India Radio was criticized, that they announced it depending upon the PTI news. Our correspondent was there. We tried to contarct him but because our telephone line was not working, we relied on it. Once, twice or thrice that was the position. (*Interruptions*)

SHRI HEM BARUA : May I submit that when Bomdila in NEFA fell into the hands of the Chinese it was not the All India Radio but the BBC that was the first to broadcast the news for the consumption of the Indian people and also for the consumption of the people elsewhere. You should remember that. It came out on the floor of this House also.

MR. SPEAKER : Come to the present day.

SHRI HEM BARUA : In this particular case also there was inordinate delay in announcing the sad demise of the President. In that context may I know by what time the doctors officially pronounced him dead ? Was it at 12 noon or was it not 5 minutes past 12 when almost all the Ministries of the Government of India knew about the death of the President ? The hon. Minister has said about the PTI flash. May I know whether you depend upon the PTI flash or you depend upon the actual pronouncement of the death in the Rashtrapati Bhavan. On what do you depend ?

SHRI SATYA NARAIN SINHA : As regards death we always depend upon the official announcement. You said that you were present there. At 1.5 the doctors announced that he was dead. It took 5 to 10 minutes for the doctors to come.

श्री हुकम चन्द कछवाय : अभी तो मन्त्री महोदय ने 1-17 बजे कहा था। अब वह 1-05 बजे कह रहे हैं।

श्री सत्यनारायण सिंह : डाक्टरों को सर्टिफाई करने और दस्तखत करने में वक्त लगता है, पांच दस मिनट लगते हैं।

MR. SPEAKER : No please, I would not call anybody. Order. order please. Let him finish now.

SHRI HEM BARUA : Is it not a fact that the helicopter was sent to bring the Prime Minister before the All India Radio made the announcement ? Is it not also a fact that the Vice President who was on tour was informed before the actual announcement was made by the AIR ?

SHRI SATYA NARAIN SINHA : The fact that the President suffered a heart attack was sufficient for the people here to get the Prime Minister and the Vice President. But, as I have said repeatedly, the doctors declared that the President was dead, at 1.5. 5 or 10 minutes were taken by them because they had to give a certificate. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Mr. Sanghi.

THE DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI DESAI) : *rose—*

MR. SPEAKER : The Deputy Prime Minister wants to say something.

SHRI MORARJI DESAI : I was the first member of the Government to reach the place. I was informed at 11.50. As soon as I reached my office, immediately I got the telephone from the Secretary to the President that the President had a severe heart attack and perhaps he would not survive. This I was told at 11.50 on the telephone. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : You want to make this also a controversy ?

SHRI MORARJI DESAI : I reached the place within 4 or 5 minutes, by about 11.55. At that time the doctors had taken all the steps to revive, give oxygen, and all the other methods that they adopt in such cases to revive or to bring back the person to life if it is there. When I went there they said that it seemed impossible to revive him. I then told them that it was better to get other doctors so that nobody might afterwards say that we had not utilised the services of all the top doctors who were available. We called Dr. Dhanda who is a well known heart specialist of Delhi. Dr. Wig was also called in. They took sometime to come. How could they come immediately ? They came. Then they examined and certified by about 1 or 1.5 p.m. that there was no hope and he was dead and therefore, we must immediately take further action. In the meanwhile, as the Vice-President was not here, the Home Minister was not here and the Prime Minister was not here, they had to be informed and called immediately, because it was a position where one could not take risks. Therefore, they were informed and they were brought back. All this was done in my presence. This is what happened. On this it was sought to make a capital. I am afraid it is not fair to do these things. This is what I have to plead with my hon. friends.

———

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

कुतुब मीनार, दिल्ली

*1596. **श्री बलराज मधोक :***
श्री रामस्वरूप विद्यार्थी :
कुमारी कमला कुमारी :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :

क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री 15 नवम्बर, 1968 के अतारांकित प्रश्न संख्या 853 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कुतुब मीनार की नींव के आसपास पानी को रोकने के लिए वहां ईंटें लगाने के काम पर कितना व्यय हुआ है ;